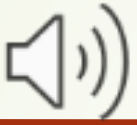




दुख का अधिकार



Edit with WPS Office



❏ बच्चो पोशाक मनुष्य का दर्जा निश्चित करती है। पोशाक इंसान को झुकने से रोकती है। पोशाक से ही अमीर-गरीब का भेद पता चलता है। पोशाक ही गरीब का दुख जानने से रोकती है। वास्तव में पोशाक ही बंधन और अड़चन बन जाती है। कई बार इन्हीं हालातों के कारण हम गरीब से उसका दुख नहीं बंटा सकते।





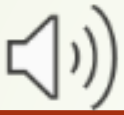
भगवाना थोड़ी सी जमीन पर सब्जियां व खरबूजे उगा कर बेचता था। कभी वह और कभी उसकी मां बाजार में फसल बेचने जाते थे। वह लोग गरीब थे। किसी तरह अपने घर का गुजारा करते थे। भगवाना की पत्नी और दो बच्चे भी थे।





❏ एक दिन सुबह-सुबह भगवाना खेत से खरबूजे तोड़ रहा था अचानक उसका पैर गीली मेढ़ पर पड़ा। वहां सांप विश्राम कर रहा था। उसने भगवाना को डस लिया। बुढ़िया मां पागलों की तरह दौड़ती हुई ओझा को बुला लाई। झाड़-फूंक हुआ, नाग देवता की पूजा हुई, इलाज हुआ जो कुछ था सब समाप्त हो गया। लड़का भी नहीं बचा। बच्चे भूख से तड़प रहे थे ॥ बहू बुखार से तप रही थी। बुढ़िया को कोई उधार भी नहीं देता था। घर में कमाने वाला कोई नहीं बचा था।





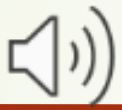
❑ बुढ़िया लाचार थी।अगले ही दिन खरबूजे बेचने बाजार चली गई। फुटपाथ पर घुटनों में सिर दिए बैठी रो रही थी ।लेखक उस बुढ़िया से रोने का कारण पूछना चाहता था पर उसकी पोशाक ने उसे ऐसा करने से रोक लिया।उसने बहुत कोशिश की पर वह बुढ़िया का दुख नहीं बंटा सका।





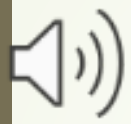
❑ आसपास की दुकान वालों से पूछने पर पता चला कि बुढ़िया का 23 वर्ष का बेटा था। जिसकी सांप के काटने से मौत हो गई। लोग उसे घृणा से देख रहे थे। एक ने कहा बेटे को मरे 1 दिन भी नहीं हुआ दुकान लगाकर बैठी है, दूसरे ने कहा उनके लिए धर्म-ईमान, खसम-लुगाई, बेटा-बेटी सब रोटी का टुकड़ा है। किसी ने कहा यह तो लोगों का धर्म भ्रष्ट कर देगी हर कोई तो नहीं जानता कि उसके घर सूतक है।





❑ लेखक सोचने पर मजबूर हो गया। उसे अपने पड़ोस की संभ्रांत महिला की याद आई जिसके बेटे की मौत हो गई थी। वह ढाई महीने बिस्तर से नहीं उठी थी। थोड़ी-थोड़ी देर बाद बेहोश हो जाती थी। 2-2 डॉक्टर उसके सिरहाने बैठे रहते थे। लोग उसका दुख बांटने आते थे।





✘ जब मन को कोई रास्ता नहीं सूझता तो इंसान बेचैन हो जाता है। ऐसी ही बेचैनी लेखक को हो रही थी। वह सोच रहा था-शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और दुखी होने का भी एक अधिकार होता है।

